Government Degree College, Madhuban,
Pakridayal, East Champaran
(B.R.A. B.U. Muzaffarpur)

B.A., Part-II, Hon./Sub.
Subject : Geography

Topic : धारवाड़ चट्टानें,
विन्ध्यन - समूह की चट्टानें

By,
Dr. Md. Jamshed Alam
Assistant Professor

Email ID : Jamshedmit@gmail.com
Whatsapp No. : 9097179092

बिहार में पायी जाने वाली चट्टानों को चार प्रमुख संरचनात्मक समूहों में रखा जा सकता है।

(क) धारवाड़ चट्टानें
(ख) विन्ध्यन - समूह की चट्टानें
(ग) टरशियरी चट्टानें
(घ) क्वार्टरनरी चट्टानें

(क) धारवाड़ चट्टानें :—

धारवाड़ चट्टानें आयु में आर्कियन चट्टानों के समकक्ष हैं। स्लेट क्वार्टजाइट, फिलाइट, शिष्ट आदि धारवाड़ समूह की चट्टानें हैं। शिष्ट के अन्तर्गत बिहार के दक्षिण-पूर्वी भाग, विशेषकर मुंगेर की खड़गपुर पहाड़ी जमुई, नुवादा आदि में मिलती है। राजगीर और बिहार-शरीफ की पहाड़ी में भी इस युग की चट्टानें मिलती हैं। ये चट्टानें तीक्ष्ण झुके हुए कटक के रूप में दक्षिणी बिहार के मैदानी भाग से ऊपर दिखाई पड़ती हैं। यहाँ पर धारवाड़ समूह की चट्टानों में अबरख-शिष्ट की प्रधानता है। इसके अतिरिक्त स्लेट, फिलाइट, क्वार्टजाइट आदि भी पायी जाती हैं। राजगीर-मुंगेर पहाड़ियों में धारवाड़ चट्टानों की उपस्थिति बतलाती है कि यहाँ पर पूर्व-कैम्ब्रियनकाल में पर्वत-निर्माणकारी भूसंचलन हुआ था।

(ख) विन्ध्यन - समूह की चट्टानें :—

विन्ध्यन-समूह की चट्टानें प्री-कैम्ब्रियन युग से संबंधित हैं। ये चट्टानें परतदार हैं और क्षैतिज रूप में पायी जाती हैं। इन चट्टानों में बालू-पत्थर, क्वार्टजाइट, चूना-पत्थर डोलोमाइट और शेल प्रमुख हैं। बिहार में विन्ध्यन समूह की चट्टानें इसकी दक्षिणी-पश्चिमी भाग में सोन नदी के समीप स्थित हैं। यह कैमूर श्रेणी का पूर्वी विस्तार है, जो विन्ध्यन पर्वत का एक अंग है। विन्ध्यन पर्वत डेहरी-ऑन-सोन से अरावली तक नर्मदाघाटी के उत्तर में विस्तृत है। विन्ध्यन समूह की चट्टानें सोन नदी के उत्तर रोहतास और कैमूर जिले में पायी जाती हैं। कैमूर पठार को बिहार में रोहतास पठार भी कहते हैं। इस पठार में विन्ध्यन समूह की चट्टानें कगार के रूप में दीख पड़ती हैं। विन्ध्यन समूह की चट्टानों के निक्षेप को दो वर्गों में बांटा जाता है —

(i) निम्न विन्ध्यन और

(ii) ऊपरी विन्ध्यन

निम्न विन्ध्यन के अन्तर्गत सेमरी-क्रम (Semri Series) और ऊपरी विन्ध्यन के अन्तर्गत कैमूर-क्रम (Kaimur Series) की चट्टाने आती हैं। निम्न-विन्ध्यन अथवा सेमरी-क्रम एक संकीर्ण पट्टी के रूप में सोन नदी के उत्तर रोहतास जिला में पाया जाता है। इसे रोहतास-अवस्था (Rohtas Stage) कहते हैं, जो बिहार के चूना-पत्थर उत्पादन का प्रमुख स्रोत है। इसी कारण इस क्षेत्र में सीमेंट-उद्योग का अधिक विकास हुआ है। विन्ध्यन समूह का दूसरा भाग ऊपरी विन्ध्यन या कैमूर-क्रम का निर्माण करता है। यह कैमूर और रोहतास जिले में सोन घाटी के बीच में स्थित है। कैमूर-क्रम में कांगलोमरेट, क्वार्टजाइट्स, शेल, बालू-पत्थर इत्यादि पाये जाते हैं। ओमझोर, बनजारी एवं अन्य स्थानों पर पायराइट की 60 से 90 से. मी. मोटी तह पायी जाती है,

कागज व जिसमें 40 प्रतिशत गंधक (Sulphur) मिलता है। इसका उपयोग सल्फ्यूरिक अम्ल (Sulphuric acid) बनाने में होता है। यह रासायनिक उद्योगों के अतिरिक्त रबर, चीनी, कागज आदि उद्योगों में भी प्रयुक्त होता है। इस खनिज के उत्पादन में बिहार अग्रणी राज्य है, जहा देश का तीन-चौथाई पायराइट्स उत्पादित किया जाता है। रोहतास के 124 वर्ग कि॰मी॰ क्षेत्र पर पायराइट का जमाव है, जहा अमझोर, कासिसिया, मन्द्या तथा कुटिमारी के क्षेत्र प्रमुख है।

Next Class

(ग) टर्शियरी चट्टानें
(घ) क्वार्टनरी चट्टानें

Md. Jamshed Alam